

३०/३/२६

पञ्जावली पेश हुने) कई समय पाट भावजन
दिलाने गर्दै) काशी वलीन व काशी महपत्रिके
पञ्जावली भादम पेशी भादम दानिरी में खाकि
की जाती है। पञ्जावली संपन शुकर होकर
नेवा के कम होकर लाकिल उपर ही भादम
हुनमा उक्त

२२/१
उपसभ अधिकारी
कपौली (सज०)